



नामांक				Roll No.		

Question Booklet No.

No. of Questions – 21

SS-21-Hindi Sah.

No. of Printed Pages – 11

उच्च माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2026
SENIOR SECONDARY SUPPLEMENTARY
EXAMINATION, 2026

हिंदी साहित्य

समय : 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

- 1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
- 2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।
- 3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।
- 4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।
- 5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

SS-21-Hindi Sah.

[Turn Over



vi) 'तोड़ो' कविता में कवि तोड़ने का आह्वान क्यों करता है ? [1]

- अ) प्रलय के लिए
ब) विप्लव के लिए
स) सृजन के लिए
द) विध्वंस के लिए

vii) मिल मालिक ने आखिरी उपाय क्या किया ? [1]

- अ) लोहे के हाथ लगवा दिए
- ब) मजदूरी आधी कर दी
- स) लकड़ी के हाथ लगवा दिए
- द) कटे हुए हाथ मंगवाकर मजदूरों के फिट करवा दिए

viii) भीष्म साहनी की रचना है [1]

- अ) दिल्ली पहुँचना है
ब) मैला आँचल
स) मय्यादास की माड़ी
द) सुखमय जीवन

ix) कौन-से ककार में समाचार के विवरणात्मक, विश्लेषणात्मक व व्याख्यात्मक पहलू पर जोर दिया जाता है ? [1]

- अ) कहाँ ब) कैसे
स) कौन द) कब

x) कौन-सी विधा में लेखन हमेशा वर्तमान काल में घटित होना मानकर किया जाता है ? [1]

- अ) नाटक ब) कहानी
स) कविता द) निबंध



2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । [6×1=6]

3. निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [6×1=6]

- i) प्रसाद गुण को परिभाषित कीजिए । [1]
- ii) “हिये वनमाल रसाल धरे, सिर मोर-किरीट महा लसिबो ।” पंक्ति में गणों का निर्धारण कीजिए । [1]
- iii) कहानी को प्रामाणिक और रोचक बनाने के लिए क्या करना चाहिए ? [1]
- iv) पत्रकारिता के क्षेत्र में बीट किसे कहते हैं ? [1]
- v) एक अच्छे और सफल साक्षात्कार के लिए ध्यान रखने योग्य कोई दो बातें लिखिए । [1]
- vi) कविता में बिंब किसे कहते हैं ? [1]



4. दिए गए अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

[6×1=6]

भक्ति की दोनों धाराएँ निर्गुण एवं सगुण धारा में अंतर इस बात का नहीं है कि निर्गुणियों के राम गुणहीन है और सगुण मतवादियों के राम या कृष्ण गुणसहित । वस्तुतः निर्गुण का अर्थ संतों के यहाँ गुणरहित नहीं, गुणातीत है । यह किसी निषेधात्मक सत्ता का वाचक न होकर उस परमब्रह्म के लिए प्रयुक्त हुआ है जो सत्य, रजस और तमस तीनों गुणों से अतीत है, वाणि जिनके स्वरूप का वर्णन करने में असमर्थ है । जो केवल अनुभूति का विषय है एवं रूप, रंग, रेखा से परे है । निर्गुण एवं सगुण मतवाद का अंतर अवतार एवं लीला की दो अवधारणाओं को लेकर है । निर्गुण मत के इष्ट भी कृपालु, सहृदय, दयावान एवं करुणाकर हैं, वे भी मानवीय भावनाओं से युक्त हैं, किंतु वे न अवतार ग्रहण करते हैं, न लीला । वे निराकार हैं । सगुण मत के इष्ट अवतार लेते हैं, दुष्टों का दमन करते हैं, साधुओं की रक्षा करते हैं और लीला से भक्तों के चित्त का रंजन करते हैं ।

i) निर्गुण व सगुण ईश्वर में अंतर है ।

[1]

- अ) निर्गुण ईश्वर लीला करते है सगुण नहीं
- ब) निर्गुण ईश्वर कृपालु है सगुण नहीं
- स) सगुण ईश्वर अवतार लेते हैं निर्गुण नहीं
- द) सगुण ईश्वर कृपालु हैं निर्गुण नहीं

ii) निर्गुण का अर्थ संतों ने माना

[1]

- अ) गुणातीत
- ब) गुणहीन
- स) गुणरहित
- द) गुणसहित



iii) इनमें से त्रिगुणों में नहीं गिना जाता

[1]

अ) सत्य

ब) रजस

स) तमस

द) परस

iv) निर्गुण व सगुण ईश्वर में क्या समानताएँ हैं ?

[1]

v) सगुण ईश्वर अवतार लेकर क्या कार्य करते हैं ?

[1]

vi) पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

[1]

5. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

[6×1=6]

हम तो दुहूँ भाँति फल पायो

जो ब्रजनाथ मिलैं तो नीको, नातरु जग जस गायो ॥

कहँ वै गोकुल की गोपी सब बरनहीन लघुजाती ।

कहँ वै कमला के स्वामी संग मिलि बैठीं इक पाँती ॥

निगमध्यान मुनिज्ञान अगोचर, ते भए घोषनिवासी ।

ता ऊपर अब साँच कहों धौं मुक्ति कौन की दासी ?

जोग-कथा, पा लागों ऊधो, ना कहु बारम्बार ।

सूर स्याम तजि और भजै जो ताकी जननी छार ॥

i) पद्यांश में दोनों ओर से भाग्यशाली किसे बताया है ?

[1]

अ) गोपियाँ

ब) उद्धव

स) कृष्ण

द) ज्ञानी



अ) सूर ब) गोपी
स) कृष्ण द) उद्धव

अ) योग का मंडन, प्रेम का खंडन ब) प्रेम का मंडन, योग का खंडन
स) निर्गुण भक्ति का प्राधान्य द) प्रेम और योग का समन्वय

v) गोपियाँ कृष्ण की कौन-सी विशेषताओं का बखान करती हैं ? [1]

vi) पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए । [1]

खण्ड - ब

प्रश्न संख्या 6 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द हैं। [10×2=20]

6. जगधर का मन आज खोंचा लेकर गलियों का चक्कर लगाने में क्यों न लगा ? स्पष्ट कीजिए । [2]

7. बिस्कोहर में वनस्पतियों का औषधीय उपयोग कैसे किया जाता था ? [2]

8. हमारी पुरानी पीढ़ियाँ जल प्रबंध कैसे करती थी ? जल प्रबंधन के उपाय व उपयोगिता लिखिए । [2]



9. 'तुलसीदास' अथवा 'रघुवीर सहाय' का साहित्यिक परिचय लिखिए । [2]
10. 'पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी' अथवा 'भीष्म साहनी' का साहित्यिक परिचय लिखिए । [2]
11. "‘फरइ कि कोदव बालि सुसाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।’" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । [2]
12. "‘यह आधा है और आधा नहीं है’", पंक्ति बनारस की किन-किन विशेषताओं को इंगित करती है ? [2]
13. उन्होंने लेखक व साथियों का नाम 'निस्संदेह लोग' क्यों रखा था ? स्पष्ट कीजिए । [2]
14. विद्यापति ने प्रेम को बखान करने पर भी हर क्षण नया-नया लगने वाला क्यों बताया है ? [2]
15. 'प्रतीप' अलंकार को उदाहरण सहित समझाइए । [2]

खण्ड – स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए । [3×3=9]

16. 'मैंने देखा, एक बूँद' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए । [3]

अथवा

'सरोज-स्मृति' कविता के आधार पर निराला के जीवन-संघर्ष को लिखिए ।



17. स्वातंत्र्योत्तर भारत की सबसे बड़ी ट्रेजेडी लेखक ने किसे बताया है ? 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ के आधार पर लिखिए । [3]

अथवा

'कुटज' के किन गुणों ने लेखक को प्रभावित किया ? वर्णन कीजिए ।

18. पोटली ही सूरदास के लोक-परलोक, उसकी दीन-दुनिया का आशा-दीपक थी । विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए । [5]

अथवा

अब मालव धरती गहन गंभीर क्यों नहीं है और क्यों यहाँ डग-डग रोटी और पग-पग नीर नहीं है ? इस बदलाव का वर्णन कीजिए ।

खण्ड – द

19. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । [5]

हरगोबिन होश में आया ।... बड़ी बहुरिया का पैर पकड़ लिया, “बड़ी बहुरिया ! ... मुझे माफ़ करो । मैं तुम्हारा संवाद नहीं कह सका । ... तुम गाँव छोड़कर मत जाओ । तुमको कोई कष्ट नहीं होने दूँगा । मैं तुम्हारा बेटा ! बड़ी बहुरिया, तुम मेरी माँ, सारे गाँव की माँ हो ! मैं अब निठल्ला बैठा नहीं रहूँगा । तुम्हारा सब काम करूँगा । ... बोलो, बड़ी माँ, तुम ... तुम गाँव छोड़कर चली तो नहीं जाओगी ? बोलो ... !”

बड़ी बहुरिया गरम दूध में एक मुट्ठी बासमती चूड़ा डालकर मसकने लगी । ... संवाद भेजने के बाद से ही वह अपनी गलती पर पछता रही थी ।

अथवा



नींद और स्वप्न के बीच संभव की आँखों में घाट की पूरी बात उतर आई । लड़की का आँख
मूँदकर अर्चना करना, माथे पर भीगे बालों की लट, कुरते को छूता उसका गुलाबी आँचल
और पुजारी से कहता उसका सौम्य स्वर 'हम कल आएँगे ।'

संभव की आँख खुल गई । यह तो वह भूल ही गया था । लड़की ने कल वहाँ आने का
वचन दिया था । संभव आशा और उत्साह से उठ बैठा ।

20. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

[5]

अरुण यह मधुमय देश हमारा !

जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा ।

सरस तामरस गर्भ विभा पर - नाच रही तरुशिखा मनोहर ।

छिटका जीवन हरियाली पर - मंगल कुंकुम सारा ।

लघु सुरधनु से पंख पसारे - शीतल मलय समीर सहारे ।

उड़ते खग जिस ओर मुँह किए - समझ नीड़ निज प्यारा ।

बरसाती आँखों के बादल - बनते जहाँ भरे करुणा जल ।

लहरें टकराती अनंत की - पाकर जहाँ किनारा ।

अथवा



पूस जाड़ थरथर तन काँपा । सुरुज जड़ाइ लंक दिसि तापा ॥

बिरह बाढ़ि भा दारुन सीऊ । कँपि कँपि मरौं लेहि हरि जीऊ ॥

कंत कहाँ हौं लागौं हियरे । पंथ अपार सूझ नहिं नियरें ॥

सौर सुपेती आवै जूड़ी । जानहुँ सेज हिवंचल बूढ़ी ॥

चकई निसि बिछुरैं दिन मिला । हौं निसि बासर बिरह कोकिला ॥

रैन अकेलि साथ नहिं सखी । कैसें जिऔं बिछोही पंखी ॥

बिरह सचान भँवै तन चाँड़ा । जीयत खाइ मुएँ नहिं छाँड़ा ॥

21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए ।

[5]

i) एक भारत श्रेष्ठ भारत

ii) नागरिक कर्तव्यों के पालन से समाज परिवर्तन

iii) जल संरक्षण की आवश्यकता और उपाय

iv) मेरे प्रिय कवि



DO NOT WRITE ANYTHING HERE